

भगती रा मार्ग ओर है लगी चोट कालजे करके



भगती रा मार्ग ओर है,
लगी चोट कालजे करके,
लगनी रा मार्ग ओर है,
लगी चोट कालजे करके,
लगी चोट कालजे करके।bd।

गोपीचंद जोगी हो गया जी,
ले लिया भगवा भाणा,
गुरु जाने भेजीया महल में,
डोड्या पे अलख जगाना,
भोजन छुत्तीसौ त्याग के भी,
शखे फल तू खाना,
तब शोर मचा रणमास में रे,
तब शोर मचा रणमास मे रे,
देखा नही पीछे मुडके रे,
भक्ति रा मार्ग ओर है,
लगी चोट कालजे करके,
लगनी रा मार्ग ओर है,
लगी चोट कालजे करके।bd।

वन वीज भरतरी भूप मे,
जब मारा एक निशाना,
सज गया मौका जोग का,
वो रखगा हो गया आना,
तुम मृत्यु मृग को जिन्दा करो,
नही तो धरदो भगवा भाणा,
जब किया सर्जीवन मृग को,
जब किया सर्जीवन मृग को,
गुरु किनी किरपा करके रे,
भक्ति रा मार्ग ओर है,
लगी चोट कालजे करके,
लगनी रा मार्ग ओर है,
लगी चोट कालजे करके।bd।

सुल्तान मगन वैराग मे,
तज दिना बलंक बुखारा,
समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के नहीं आते तो, बाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल
एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - <https://www.bhajandiyari.com>



पावा मे पड गया छाला,
ज्यारे पाँच टका पोशाक की,
वो ओडो गुदड भारा,
वो पडा रहे ऊजाड मे,
वो पडा रहे ऊजाड मे,
नही खाया ओदर भरके रे,
भक्ति रा मार्ग ओर है,
लगी चोट कालजे करके,
लगनी रा मार्ग ओर है,
लगी चोट कालजे करके। bdi

विष भर भर प्याला भेजीया,
वो पीगई मीरा बाई,
सूली पर सेज बिछाया के,
सापों कि माला पहनाई,
गिरी तन के ले हरी सावरो,
मीरा के महला माई,
जब राणो दौडे मारने,
जब राणो दौडे मारने,
हाथ में खांडो खडके रे,
भक्ति रा मार्ग ओर है,
लगी चोट कालजे करके,
लगनी रा मार्ग ओर है,
लगी चोट कालजे करके। bdi

कुए मे शेख फरीद ने,
जब बोली मीठी भाषा,
कौआ तू सब तन खावीयो,
मारे हाडा ऊपर मासा,
तू दो नैना मती खावजो,
मारे राम मिलन री आसा,
ऊंदा लटकाया उपमे,
ऊंदा लटकाया उपमे मे,
ओ होय आसरे हरी के रे,
भक्ति रा मार्ग ओर है,
लगी चोट कालजे करके,
लगनी रा मार्ग ओर है,
लगी चोट कालजे करके। bdi

बाजीद कहे गुरू ऊट कोरे,
समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इंटरनेट के भी आपका मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल
एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>



नथचकतो कुछ बिगडा नहीं,
बाजीद को अचरज हुआ,
उडने वाली चीजी उड गई,
उड गया सेलानी सुआ,
वो करी तपस्या जोर की,
वो करी तपस्या जोर की,
मौत काल से डर के रे,
भक्ति रा मार्ग ओर है,
लगी चोट कालजे करके,
लगनी रा मार्ग ओर है,
लगी चोट कालजे करके।

पीपाजी जल में कूद गया,
देखो कैसी करी दूढ काई,
नर तन का पाला जीतीया,
मृत्यु की बाजी लगाई,
बखना बंधु तू चेत जा,
दिन धिन तेरी कविताई,
दिन बिन चेत्या भूडी होवसी,
दिन बिन चेत्या भूडी होवसी,
जीवन मे सुखरत करले रे,
भक्ति रा मार्ग ओर है,
लगी चोट कालजे करके,
लगनी रा मार्ग ओर है,
लगी चोट कालजे करके।

भगती रा मार्ग ओर है,
लगी चोट कालजे करके,
लगनी रा मार्ग ओर है,
लगी चोट कालजे करके,
लगी चोट कालजे करके।

गायक – प्रकाश माली जी ।
प्रेषक – मनीष सीरवी
9640557818